मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन 04 मई, 2026

मुक्त विश्वविद्यालय में स्नातक रोजगारपरकता पर तीन दिवसीय कार्यशाला प्रारंभ

उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सोमवार दिनांक 04 मई, 2026 को उ0 प्र0 राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज और राष्ट्रमंडल शैक्षिक मीडिया केंद्र एशिया, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में स्नातक रोजगारपरकता विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला में सेमका, नई दिल्ली के निदेशक डॉ. बी. शादराच जी ने (ऑनलाइन) एवं कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग सेमका प्रोजेक्ट के सलाहकार डॉ. प्रदीप के. चौधरी जी ने अपने–अपने विचार व्यक्त किये। कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी ने की। विश्वविद्यालय के प्रत्येक विद्या शाखा के शिक्षक इस कार्यशाला में भाग ले रहे हैं। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य ऐसे पाठ्यक्रमों का विकास करना है जिनसे सीधे रोजगार उत्पन्न हो सके। कार्यशाला का समापन 6 मई, 2026 को होगा। कार्यशाला में अतिथियों का स्वागत कार्यशाला के संयोजक डॉ. त्रिविक्रम तिवारी ने किया। मंच संचालन आयोजन सचिव डॉ. गौरव संकल्प ने तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. आनंदानंद त्रिपाठी ने प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए आयोजन सचिव डॉ. गौरव संकल्प

मननीय अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला के संयोजक डॉ. त्रिविक्रम तिवारी

यूपी में एक जिला एक उत्पाद योजना सराहनीय : डॉ. बी. शादराच

सेमका, नई दिल्ली के निदेशक डॉ. बी. शादराच ने ऑनलाइन संबोधन में रोजगारपरकता बढ़ाने में लॉजिस्टिक्स प्रबंधन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश की एक जिला एक उत्पाद जैसी योजनाओं की सराहना की और शिक्षा व रोजगार के बीच की खाई को पाटने पर बल दिया।

रोजगारपरकता के लिए कौशल और ज्ञान वृद्धि महत्वपूर्ण है : डॉ. प्रदीप के. चौधरी

उदघाटन सत्र में बोलते हुए कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग सेमका प्रोजेक्ट के सलाहकार डॉ. प्रदीप के चौधरी ने कहा कि रोजगारपरकता के लिए कौशल और ज्ञान वृद्धि महत्वपूर्ण है, लेकिन केवल इससे नौकरी उत्पन्न नहीं होती। उन्होंने स्किलिंग, री–स्किलिंग और अप–स्किलिंग को विस्तार से समझाया और रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम के डिजाइन और विकास की प्रक्रिया बताई।

रोजगार उत्पन्न करने वाले पाठ्यक्रम विकसित करें – प्रोफेसर सत्यकाम

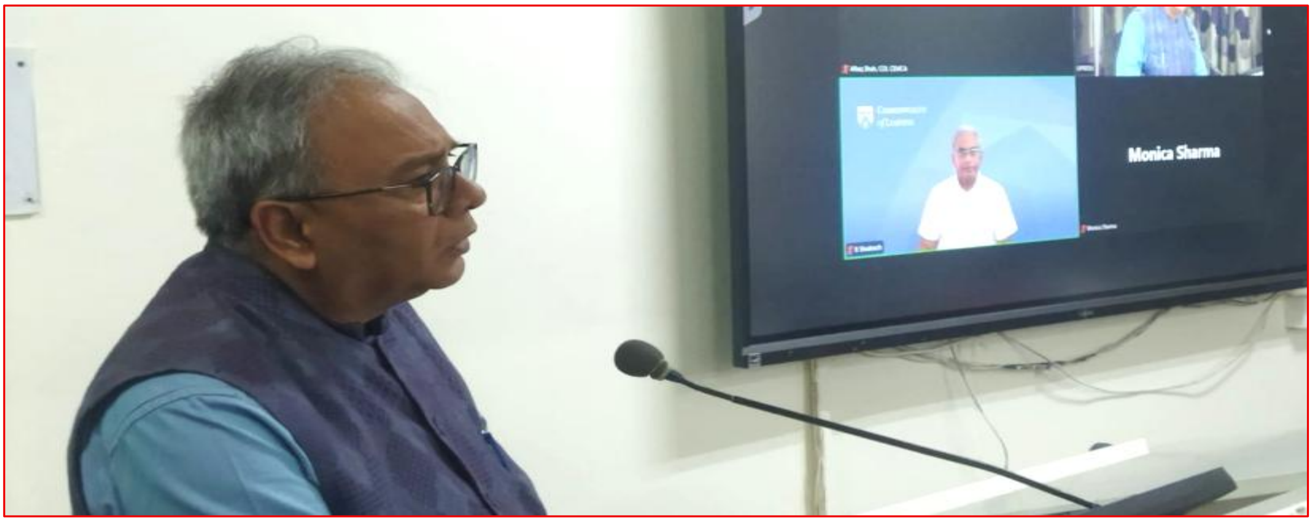

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए यूपीआरटीओयू के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने कहा कि रोजगारपरकता आज समय की मांग है। हमें ऐसे पाठ्यक्रम विकसित करने पर काम करना चाहिए जो रोजगार उत्पन्न करें। मुक्त विश्वविद्यालय ने म्यूजियोलॉजी, पुस्तकालय विज्ञान और शिक्षा में पाठ्यक्रम विकसित किए हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि एमबीए जैसे पूर्णतः रोजगारपरक पाठ्यक्रमों को भी बाजार की मांग के अनुसार पुनः डिजाइन किया जाना चाहिए।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए प्रो. आनंद नंद त्रिपाठी